

قرار لجنة المناقشة

نوقشت هذه الرسالة/الأطروحة " نظرية النحو العربي في ضوء تعدد أوجه التحليل النحوي " وأجيزت بتاريخ ٢٠٠٦/١/٤ .

التوقيع



أعضاء لجنة المناقشة

الدكتور ناصر الدين الأسد ، مشرفاً
أستاذ شرف - الأدب الجاهلي

الدكتور بهاد ياسين الموسى ، عضواً
أستاذ - النحو العربي

الدكتور جعفر نايف عباينة، عضواً
أستاذ مشارك - الصوتيات

الدكتور عبدالقادر الرباعي ، عضواً
أستاذ - أدب ونقد (جامعة اليرموك)



...

...

.

...

...

..

.

.

.

:

.

.

-

-

.

.

:

.

.

.

()

:

⋮

:

⋮

:

:

⋮

:

:

⋮

:

.

.

:

.

.

.

.

.

,

.

{ } :

.

.

)

(

)

(

.

(

)

)

(

)

.(

()

.

-

-

.

.

.

:

()

.

.

.

:

.

()

.

.

.

o

:

:

.

:

:

-

:

-

.

.

:

-

.

-

.

:

-

-

-

-

-

.

-

-

-

.

.

()

-

.

-

.

-

-

.

^

.

"

()"

.

"

()"

.

.

()

()

()

:

()

()

()

()

:

:

()

" : ()

()"

... " : ()

-

-

()"

" :

()"

()"

" : ()

(.)

- ()
- ()
- ()
- ()
- ()

" ()
()"

{ } : :
() " : ()

()

" :

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()

()"

()

"

()

:

":

()"

":

()

()"

":

()

()

()

()

:

()"

:

:

()

()

:

()
()
()
()
()

.
)
 " : " : . () (.
 : :
 . () " :

(")

()"

" : ()
 . ()"

()
 ()
 ()
 ()
 ()

()

"

()"

":

()

()"

()

():

: -

: -

: -

: () -

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

)

... " :

(

()"

" :

()

:

: " :

()" ...

()"

:

() ()

)

()

()

()

()

() () ()

:

()
()

()

: _____

: _____

: _____

()

" :

....

()"

"

()

()"

.

.

.

.

.

.

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

-

()

()

()

()

} :

() ()

() {

()

()

()

()

()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

()

()

:

()
()

()

):

(

()

()

()

()

()

(.)

()
()
()
()
()

() ()

.^(){ }:

)

(

() ():

()

()

()

()

.^()....

()

() ()

:

()

):

.^()()

.^()(

() () ():

.^()

()

*

}:

()

()

()

()

()

()

() () . () ()

* }:

. {}

) () ():

-

. {}

-

.

}:

. {}

()

()

()

():

. {}...

()

()

. {}()

.

()
 ()
 ()
 ()
 ()

() . () { } :
 () :
 () :
 . () () :

() () { } :
) ()
 . () (

() . () { } :
 () . () ()

()

()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

()

:

(

):

.(...

()

()

)

:

:

(...

(...

):

:

...

:

(

)

(

)

()

()

()

()

()

.

:

. () {

}

(

)

. ()

(

)

()

()

٣.

.^(١)()

()

()

. ()

()

.

.

()
()

-:

() -

()
()

" ()
()"

() ()

: () : () " : () -)
() -

() :

()"

(.)

()
()
()

} : () -۲
) : () : : " . () {
 : ()
 () :
 : ()
 . ()"

} : () -۳
 : () {
 " :
 : : :
 . ()" () : :

} : () -۴
 : : () " : () {
 : : :
 : : " .
 . ()"

" : () -۵
 :

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

: . :
" ()"

-: -A
: " :
... : : ... :
" ()"

: () () -

: () () :
: () : -
: () () :
} :

() : () {
() ()
() ()

" : -2
: () ()

()
()
()
()
()

-: -

: " () { } :
) :

: : . ()
()"

: () -
() { } : () -
: () : "
: ... :

. ()"
() () :

: () -
()

: : . -:
()

: () " :
()"

()
()
()
()
()

: .

) () " :
() ()
()"

() : .

() () "
()
() ()
()"

: () -
)

: () .

: " :

: ...
()"

()
()
()
()
()

-: .

" :

()

()

. ()"

-:

: () () -

-:

.

. ()"

:

" :

-:

.

:

:

"

. ()"

-:

() () -

():

.

:

()

" :

. ()"

:

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

) : : .

: (

: .

. ()"

" . () { } : () .

:

:

...

. ()"

: () -

-: () .

" :

():

() :

: .

:

()"

:

()

:

()

"

.

()

()

()

()

()

()

()"

.

:

:

" : : (

)

.

:

()

()

:

.

()"

:

()

()

-

:

() :

.

-

-

"

()

:

:

:

...

()

:

()"

:

.

:

" :

()

()

()

()

: .

. ()"

: () :

()

: "

. () ()

. ()

. ()" () ()

: () -

: :

: .

:

. ()"

: () -

" : . () { } : ()

. () :

.

:

: :

. ()"

:

:

.

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

: .. () -
 : " : : .
 : :
 ... :
 ()"

()
 . ()
 : :
 ()

: ()
 ()

: () ()
 : " ()"
 : . :

: () : ()
 () : " ()"
 .

()
 ()
 ()
 ()

: .

"

:

:

():

():

()"n

:

" :

:(

):

.

()

()

()

()

.()

() .

()

()

.()"n ()

()

()

:(

):

.

()

:

"

()

()

()

:

...

.()"n

()

()

:

()

:(

): -

- ()
- ()
- ()
- ()
- ()

" :

."

()

: () : " :
 . ()
 : . () { } : () .
 : :
 : :
 : :
 () :
 . () :
 - : () : () -
 () { } : () .
 : : ()
 : () : () () ()
 . () () () ()

()
 ()
 ()
 ()
 ()

) :

:" . (

.)"

() () ()

:

:" -

:" ()

:" -

:" ()

:" :

:" ()

:" :

:" -

:"

:" () :

:" ()

()

()

()

()

: : -
():

():

) : () () () "
() () (
) : ()
()"

() : () -
"

()"

:

() : -

:

() :

:

() -

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

) () : ()

-: () (

" : () : -

()"

: " () :

: () :

()

()"

() : -

()

:

" :

:

-

()"

()

:

-

:

()

()

" : (

) :

-

:

:

()

:

()

()"

()

()

()

()

()

()

()

() " () : -

: . :

. - - :

: : ... ()

: : ...
()"

" : : -

: : () ()

()" ()

" : -

: :

()"

()
()
()
()

-: -

.()

()

() : .{}{

}:

- ()
()

()

():

()

()

()

:

()

:

:

()

():

():

()

()

()

()

()

()

"

"

() { } :
 . () :

() } :
 () () () ()
 () () () ()
 () : " :

() "

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

}:

()

.{}{

():

()

():

() ()

.()

()

" :

.{}{

}:

()"

()

()

()

()

()

()

()

.()

:

()

}:

()

.{}{

()

()

()

()

()

():

()

()

()

()

()

()

()

()

()

}:

()

{

:

()

()

() () () ()

" ()

() () ()

{

}:

" ()

:

:

{

}:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() :

()

:

() . (...)

: () ()
()

" :

...

()

() :
.....

()"

:

:

()

()

()

()

()

()

.....

:

.

. () () . ()
 () { } :
 :
 ()
 : . :
 () ;

 () () ()
 ()
 () () ()
 () ()
 () ()
 () ; ()

 () ()
 . ()

 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

: -

()
 () () () :
 ()
 : () ()
 () :

()
 () { } :
 : () " :
 ()"
 () :
 () :
 ()
 : " :

()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

() () ()
.()

)
() "(

:
.()"

" : ()
:

()" :

. ()

} :
" : ()"

()"

"

()

. ()"

) ()

()
()
()
()
()
()

()

()

(

()

()

()

()

()

()

():

()

()

()

()

():

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() () ()

() ()

()

}:

()

{

() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

-

()

() ()

()

:

() ()

()

()

()

()

}: ()

*

()

.(){

()

() ()

.()

: -

:

.....

:

":

-

_____ ()

()

- :

: ...
: ! -
() ...

: : - -
" : - -
() "

:
()

:
()

" :

()"

()

()
()
()
()
()

:

" :

. ()"

"

" :

()"

. ()"

:

"

" :

...

. ()"

:

-

()

()

()

()

() () :

() :

() :

() :

()

..... " :

() "

:

:

-

()

()

-

.

.

.

.

.

:

()

-

()

٧٤

()

()

:

:

() ()

()

()

:

()

()

()

٠ ()"

" :

.

:

()

.

:

()

.

.

}:

()

.

٠ () {

()

()

()

()

()

٠ ()

.

()

()

()

()

.
 }:
 ()
 - -
 .()
 :
 }
 .() {
 :
 .()
 () ()
 () :
 .() { } :

. ()
 . ()
 . ()
 . ()
 . ()

()

- -

}:

{

() ()

()

()

}:

()

()

{

()

()

}:

()

{

()

{

}:

() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

}:

() () {

}:

() () () {

:

() () :

() "

()"

()

()

()

}:

{

()

:

:

() ()

() () "

()

()

()

()

()

()

()

()

()

.() {

} :

() ()

-

.()

-

.()

:

.()

.()

} :

.() {

()

"

)

.()" "

() ()

() ()

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

Λ.

()

() :
()
()

"

()"

. : ()
() : "

()
() ()

} :

*

()"

() ()

() ()

()
()
()
()
()
()

*

() * () {

() () :

() () ()

:

: -

" :

()"

-	()
.	()
.	()
-	()
.	()
.	()
.	()
.	()

”：

“ () ”

() ”

”

() ”

：

-

：

：

”

() ”

()

()

()

：

()

()

()

()

()

()

() :

()

()

:

.

:

.

:

:

.

:

:

()

_____ ()

:
()

() ()

()

()

.....

:
:
.....

:
:
:

()
()

:

-

.

:

.

.

:

.

()

()

()

()

()

:

-

:

:

:

()

.^()()

):

()

(

()

()"

"

()

()

()

()

()

()

()

:

:

-

}:

:()

.(){

()

:()

()

()

():

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

() ()
() ()

:

() :

()

();

:

()
()

()

()

()

()

...

:

()

.
 () . :
 () ()
 () ()
 :
 . () ()
 () () () () :
 . ()
 () ()

.
 : { } :
 . () :

()
 ()
 ()
 ()
 ()

():

() : () ()
 () ()
 . () () () ()

():

()

. ()

() : () ()

*

*

. -

! :

()
 ()
 ()
 ()
 ()

() ()

. ()

()

()

. () {

} :

:

()

. ()

} :

()

. () {

*

() ()

()

:

):

()

() (

)

. ()

. () {

} :

. () (

)

()

()

()

()

()

()

()

()

()

}:

: () () .{}
()

()

" : . () ()

:

. ()"

()
()

:

. () ()

. ()

" ()

()

()
()
()
()
()
()
()
()

()"

()

()

() " : () ()

()

() () () () () () () ()

:

...

()
()
()
()

.

: -

"

. ()"

. ()

"

. () "

:

" :

-

-

()
()
()

()

()

" ()

()

()

"

()

()

":

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

...

.()

.()" "

":

:

-

()

.()

:

-

.()

"

.()" "

:

":

.()" "

:

()

()

()

()

()

()

()

101

()

.

: -

()

()

()

: -

: ()

.

()

()

()

()

: -

:
) : ()
() () ()
()

: -

{ } :
()

: -

" :

:
() " () :

" ()

() "

:

:

()

()
()
()
()
()
()

() " : " : ()
() " " :

()

()

):

: () : -

()

: () : -
() :

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

()

:

()

()

:

"

()

()

()"

"

:

()"

() ()

()

()

()

()

()

":

.()

()

...

...

():

.()

:

:

:

:

.

:

.()

}: ()

()

() { *

:

()

.()

:

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

}: {}:

. {}

.()

:

:

()

()

.() () ()

()

:

.()



()

()

()

()

" :

"

()"

()"

•
•

•
•

•
•

()

()

• _____

• _____

.

.

.

:

-

-

-

()

()

()

:

()

()

"

()"

" :

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

":

()

"

:

()

()

:

:

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

"

()"

() -

-

()

()

()

()

{

}

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

() :

() { }

" : : { }

()"

" : () { } : ()

: () { } ()"

" : () { }

:

() { } { }

()"

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

{ }:

() { }

: () { } : ()

" :

: ()

- -

()"

()

{ }:

()

()

()

()

()

()

()

{ } :

()

() :

()
 ()
 ()
 ()

}:

() () () () {
() () ()

) () ()

() (

() ()

()

()
()
()

()
()
()
()

.

" :

. ()"

.

-

-

. ()

.... :

.... ()

.

"

.....

()

()

()

()ⁿ

:

-

}:
 ()
 () () () { }:
 () () () { } *
 ()

()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

:

()

() { () } :

() () () ()

() () () () :

() { () } :

() () () () :

() () () () :

() () () () :

() () () () :

() () () () :

() () () () :

()

()

()

()

()

() () { } :

() ()

() ()

() { } :

() ()

() :

() () { } :

()

() { } () :

()

()

() { } :

() () ()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

-

-

.

:

()
()

}:

{ }

{

}:

()

()

}:

.

()

()

)

()

{

()

(

{

}:

(

):

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

۱. ()"

"

" :

۲. ()"

()
()

()

.

.

()

()

" :

()"

:

.

.

()

()

.

():

() :

.

()

()

()

()

()

()

():

:

:

:

. " () " :
. ()

:

():

()

():

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

():

... " :
" ()"

()

()

()

:

"

()" :

()
 ()
 ()
 ()
 ()

()

():

()

" :

()ⁿ :

()
 ()
 ()

()

" :

()"

()" :

" :

" :

()" :

- :

-

()

()

()

()

.

-

-

. ()

"

:

. ()" "

. ()

" :

()

()

()

()

:

-

" :

()

()

()

" :

()

()

:

()

()

()

()

:

()

:

"

()"
()

:

:

-

()

():

()

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

()"

" :

"

" : ()

() :

:

:

" :

()"

() :

() :

" ()

() ()

()

()

()

()

()

()

:

()

()"

: -

" :

()" .

()" .

"

():

():

():

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

()
.() ()

" :

.()"

" :

.()"

.()

().

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

:

()

.

:

();

()

();

()

:

()"

:

() :

" :

()

()

()

()

()

" : ()"

" : ()"

"

()"

:

()

:()

()

" :

()

()

:

:

()

:

:

:

():

()

()

()

()

()

() ()

. ()

()

() () ()

: ()

() () ()

()

. ()

() ()

: -

: .

()
()

()
() () () ()

() ()
()
()

" : :

() :
()"

() : ()

() : " :
() ()
()

()"

) ()
() :

()
()
()
()
()
()
()

():

() ()

:

- -

()

():

_____ ()

()

()

()

" :
: . :
()"

:

()

-

-

()"

" :

:

" :

()"

. ()

():

()

()

()

()

()

" :

:

()

. ()

"

()"

"

()"

():

()

() :

:

"

()"

" :

()

()

()

()

()

()"

:

"

":

():

:

()

()

()

()

()

:()

()

()

()

()

):

:

":

"

()

()

()

() () :
: :

()
:

{

() () ()

}: ()
:

): ()

: () () : (

() : ()

() :

:

()

: () () ()

:
()

()
()

()

() : :

()

()

()

()

() :

() :

() () ()

()

() ()

() ()

()

() :

_____ ()

()

()

()

()

() ()
 () : ()
 () ()
 () ()
 (): () ()

:

():

():

() ()

()

()

()

()

()

:

:

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

" " ;

() () () () :

() () () () ()

() () () ()

" :

" "

:

()

()

()

()

()

()

()

. : : : :
 : . : : :
 () : : :
 . () : :

" :

()"

" :

:
()"

()

. ()
 . ()
 . ()
 . ()

"

." ()"

"

." ()"

." () :
-; ()

" ()
" ;

() ;

:

()

()
()
()
()

-

-

()

()

":

()

()"

()

":

: () { }

():

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

()"

:

" :

.

()

() : "

() :

" .

()"

()

"

()

()

()

()

() :

()

()

.()"

" :

:

. ()

()

" :
()

()

!

()

()

()
()

"

()"

.

:

:

.

.....

" :

:

. () "

.

.

()

()

()

-

-

" :

()"

()

()

()

()

" :

:

()"

:

:

()

....

" :

()

()

() () ()

() :

() :

()

()

()

()

()

()

()

()

! ..

.
:
:

.^()() ()

...

_____ ()

:

.

.

.

.

.

)

" : (

...

()"

" :

()"

()

()

()

()

.

. ()

:

. ()

()

()

()

()

:

:

()

()

:()

.()

:

()

()

()

. ()

.

:

()

"

:

()"

-

-

"

()"

.

()

()

()

"

. ()"

"

-

-

. ()"

:

-

. ()

()

()

()
 ()
 ()
 ()
 ()

()

"

:

()"

()

()

: -

} ()

()^(){

()

()

()
()
()
()
()

"

· ()"

- " ;

· ()" () () . : ()

:

} : () { }

: {

:

· ()

·

· () { } :

" :

()

· ()
· ()
· ()
· ()
· ()

()

:

:

() ()

()

()

()

:

()

}:

{

()

()

: ()

()

()

()

()

()

":

()"

()

()

()

()

()

()

()

() ()
() ()
:

() " ;
() ()
() ()

()
()"

"

....

} : ()"

" () {

"

"

()"

" () () ()

() { }

):

): (

()
()
()
()

() ()
 ()
 : ()
 - () { }
 -
 () ()
 () ()
 ()
 ()

) ()
 ()
 :
 :

()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

() () () ()
 () () () ()
 () () () ()

() () () ()
 () () () ()
 () () () ()

: () { } :
 () :
 : -

() "
 ()"

()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

{ :
()

()

()

":

: " () ()

- - .()

- -

() { }:

":

()

()

() ():

) ()

() : (

()

()

()

()

()ⁿ

()

()

()

! ()

() { }

() () :

: : ()

: :

()

}

() {

()

()

() ()

() : () ()

()

() ()

()
()
()
()

: -

()

" ()"

{

}

" "

()

":

:

{

}

":

(

)

"

":

"

:

()"

()

()

()

:

-

()

()

()

()

:

.....

:

"

()"

()
()

" : () " " :

() "

" :

" : () "

:
() "

: .
: .

} : ()

: " :
() {

() { ...
} :
() :

() "

} :
() () {

"

: .

-

()
()
()
()
()
()
()
()
()

() { } : () -

{ } : : .
()
()ⁿ

:
}

() {

() " : ()
() ()

- .
() ()ⁿ

:
()

* } :

() { " :

}:
.{

()
()
()
()
()

.
 () :
 - -
 . ()

() { } : ()
 () : ()
 () ()
 ... ()
 : ()

: () { } :
 .
 () : () . ()

* * } :
 " " () { *
 " " " :
 () " : "

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

:

:

()

}:

{

:

" ()

" ()

" ()

:

()

()

()

" :

" ()

"

" ()

:

()

:

" ()

()

()

:

"

()

()

()

()

()

()

()

()။

()။

။

။

။

။

()

။

။

။

() () ။

။

။

။

()

()

()

()

()

:

:

:

:

()

()

()

:

:

()

"

" :

()

()

:

() {

} :

()

()

()

()

- -

{ } :

()

:

:

()

()

()

()

()

.

-

:

()

-

:

-

-

()

()
 ()
 ()
 ()

: :

: :

: :

: :

}:

() { ...

*

() ()

()

()

()

()

·
" :

: " :
: ...
()"
()"

" :

()

()

()

()

()

()

()

()

()
()
()
()
()
()
()
()
()

()

()

()"

"

()

()

" :

()"

"

()"

()

-

-

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

.
 " :
 ()"
 :
 :
 ()"
 " :

.
 :
 ()"
 .

- - .
 " - -

. ()
 . ()
 . ()

:

:

. ()"

- -

:

. ()

. ()

"

. ()"

:

"

. ()"

()

. ()

. ()

:

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

. ()

. ()

-

:

:

-

):

(

. ()

" :

:

:

. ()"

:

()

()

()

()

()"

"

()"

" :

()

:

:

:

:

.

:

()

:

.

:

:

()

:

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

()

()

... ()

()

()

()

:

: : () { }

() :

: () ()

() .

: ()

() :

: ()

() ()

}: ()

() : () : () {

()

() :

()
 ()
 ()
 ()
 ()

()

()

:

()

()

()

:

()

:

:

:

():

_____ ()

-

()

():

: :

:

()

:

" . ()

" ()"

:

()

()

:

:

:

-

() ()

:

:

:

:

-

)

()

:

-

" ()"

(

:

:

:

_____ ()

- ()

()

()

()

:

:

:

:

:

:

:

:

.()

:

());

:

());

()

()

()

:

:

() :

" . () () :

. () :

) : " : () : : : . () () : . () :

:

.

() :

()

:

()
()
()
()
()

. ()

. :
:

. ()

()

۲۰۰

•
•

•
•

•
•

•
•

" :

()"

: .

:

()

-
-

:

: -

"

()

():

()"

()

: ()

. () ()

: -

() ()

: -

()
()
()
()

. () () :

"

) : ()

- - (

: ()
.() : ()

() ()

()

() : ()

;

{ } : () :

- - " .

:

() : ()
.() ()

() ()

()

()

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

()

()

" :

()

- -

()

()"

()

()

:

-

-

-

()

-

:

-

:

()

()

-

()

()

()

()

()

()

()

() { } :

() "

" :

() "

) :

() -

-

:

(

()

()

()

() " :

() "

()

" :

() "

()

()

:

-

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() : ()
() () :

} : () ()
() " () {
()"

()

()

: -

()
()

()

() :

()
()
()
()
()
()
()
()

()

()

()

. (

) :

() "

()

) :

(

) :

(

() "

) :

" :

()

() "

" :

. () "

:

()

) :

()

. (

()

()

()

()

.
:
-

. ()

()

. ()
:
:
()
":
()
:
" ()"

. ()
.
.
.
- ()

·
:

:

()

()

- -

()

() ()

()

()

()

()

() () () -
()

() () -
() :

() -
:

() () -
() -

() -
() -
() -
() -
() -
() -

() ()

:

()
()
()
()
()
()
()
()
()
()

.

()

.

" :

" :

()" :

:

. ()" :

:

() :

. ()

:

()

()

()

()

" :

:

()"

()

•

•

()

•
•
•

:

()

()

- -

:

()

:

:

()

" :

()"

" :

:

:

()"

:

()
()

()
()

()

()

()
()
()
()
()

()

()

” :

: Idealization

.”

”

”

...

” ۛ

.”

.”

:

-

()
()
()
()

: :

.

: .

: :

.

:

.

()

.

. ()

()

()

:

. ()

.

. ()
. ()
. ()

: -

" :

. ()"

" :

. ()"

() ()

: -

.

:

:

:

.

()

.

- : ()

:

_____ -

:

()"

" :

:

:

" :

:

:

:

. ()"

()

()

()

()

()

. ()

()

()

()

.

:

()

_____ () -

()

()

.

:

-

:

*

}:

:

{

: ()

()

" :

()

()

:

()

. ()"

_____ ()

()

()

()

()

()

۲۲.

:()

-

():

():

.(){

};

():

:

-

():

:

-

-

()

()

()

()

()

()

()

.^(){ }:

():

:

:

:

:

:

()

.^()

()"

"

:

.^()"

:

-

^(){ }:

()

()

()

()

()

()

()

:

()

-

-

()
()

()

":

()"

:

-

:

()

:

()

"

()

()"

()

()

()

()

()

()

: -

()
 () () .() { }
 ()
 .()

() () ()
 () () ()
 ():

: -

: -

.() : -

!

()
 ()
 ()
 ()

) :

:

() :

(

"

()"

-)

(-

()

"

()"

()

()

() :

()

()

()

:

-

:

-

()

:

-

()

()

()

()

:

"

-

-

."()

():

(): (

):

()

:

-

()

() (

)

()

()

()

()

()

() : () .^()

.^()

" :

()

()

()

()

()

() -

-

-

.^()"

()

.^()

() ()

.

. (

) :

()

()

()

()

()

()

.

()

()

()

()

()

()

()

()

" ()

:

()

()

()

() .

"

()

{

}:

()

{

}:

() ()

{

}:

()

:

{

()

()

()

()

()

()

()

() () () : -
() () ()

()

() () : -

()

" :

:

:

()

()

()"

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()" () ()" : ()

: ()

} : ()

() . () . () {

. ()

()



: ()

()

()



"

. ()" "

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:



:

:

-

:

-

()

:



()

()

" :

()

()"

()

()

()

()

()

()

()
()

()

()

:

()

:()

:

" :

()"

()

-

-

()

:

-

. () {

} :

()

()

()

. ()

()

()

()

()

:

-

- : () :

()

: -

{ } :

() :

()

()

()

:

: -

()

()

-

()

()

-

()

()

-

()

() :

()

()

()

()

()

()

()

() : -

() :

()

:	()	
.	()	-
.	()	-
()	()	-

:	:	-
	() :	

:	
()	-

-

()

:	:	:	:	:	()
.	()
.	()

() ()

: ()

.

:

:

-

():

()

()

() :

()

()

():

.

()

()

()

:

-

:

()

()

:

:

()

()

:

:

()

()

: : : -
:
.

. : " : -
.

:
(); . ()

()

() ()
(); . () ()

()
()
()
()
()
()

:

: -

:

():

()"

"

: -

:

()

()

()

:

: -

:

()

:

():

: -

():

()

()

()

()

()

()

: :
 : :
 : .
 .
 () () () ()
 . ()

: -
 "
 . ()"
 .
 : :
 : .
 . ()

:

 .
 .
 .
 ()
 ()
 ()

: -

: ()

:

. ()

:

()

:

() ()

()

:

: -

:

: _____

. ()

:

()

:

()

: _____

:

" : _____

. ()"

:

_____ ()

()

()

()

()

()

()

: () . () :

()

. ()

() { } :

. ()

:

()

:

:

:

.

:

:

:

. ()

()

:

:

()

. ()

:

:

:

()
()
()
()
()
()
()

()

:

()

:

:

-

()

:

()

()

:

-

" : -

-

" :

()"

()"

()

()

()

()

()

. ()"

" :

. ()

():

:

. ()

):

. ()

:

. (

()

. ()

. ()
. ()
. ()
. ()

} :
 () : () {
 : () { } :
 () : . ()

() :
 : . ()

. ()

:

:

. ()

.

: -

":

" : . ()"

()

:

()"

. ()
 . ()
 : ()
 . ()
 . ()
 . ()

() ()

: _____

()

. ()

() ()

:

()

-

()

-

-

-

()

-

. ()

-

:

()

-

-

-

-

-

()

-

. ()

()

-

. (

):

: :

: _____

"

: _____

:

"

()

()

()

: " :
: ()"
: _____

: . ()

. () ()

() ()

(: - -):

" :
- " () -

. ()

- -

()
()
()
()

:

-

" ()

()"

. ()

:

()

()

:

:

. ()

" :

()

:

:

:

:

:

()"

:

" :

()

()

()

()

()

()

()

() :

:

()"

:

() ()

()

.

.

:

-:

: -

. ()

:

-

:

() ()

:

:

. ()"

-

.

. ()

" :

:

()

()

()

()

()

()

()"

():

— — —

:

:

" :

:

:

:

:

:

()" :

:

"

()

()

()

()

.....

.. ()"

()

-

:

.. : ()

-

:

-

:

-

()"

"

- ()

-

} :

() {

} :

() {

-

-

.. ()

.. ()

:

() {

} :

()

()

()

()

()

()

.. (

)

()

()

() -

() -

: -

()

()"

():

:

:

-

-

:

-

-

():

:

-

:

-

()

()

()

()

()

():

():

: () { }:

():

: () { }:

-: ()

: -

:

()

()

()

()

()

() ()

()

()

: : -

()

. ()

"

: -

. ()

. ()"

: :

: : : . : : " : : - -

- -

: :

:

. ()"

()

()

. () {

} :

. () {

} :

_____ ()

()

()

()

()

()

()

()

: ()
 . :
 () { } : : :
 . :
 : -
 - : () -
 . () : -
 } : : -
 . () () {
 () : -
 :
 () . () :
 :

() :
 : :
 _____ ()
 . ()
 . ()
 . ()
 . ()
 . ()
 . ()

{ } : . () :

:

:

:

. ()

}:

()

{ ()

{ ()

}:

{ ()

}: ()

. () ()

:()

:()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() ()
: () . ()

(): . () ()

(): . ()

(): . ()

(): . ()

()

()

()

()

()

()

()

():

()

()

():

()

():

.

()

():

.

()

.

()

:
:()

.()

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

. () ()

() ()

():

. ()

()

" :

. ()"

:

. ()

()

():

-

-

. ()

()

:()

-

()

()

:

()

:

()

:

()

()

:

:

()

()

()

:

()

()

()

:

()

{

}

()

()

()

()

():

()

():

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

-: () () -

() () ()

:

. ()

: :

() () ()

()

. ()

() () ()

-:

-

:

-

:

()

:

.

:

..

" :

. ()"

:

" :

. ()"

()

()

()

()

()

()

()

()

:
:

()

: -

-: -

:

" :

() { } :

()"

()

()

: ()

:

()

:

" : ()

()"

()

()

()

()

()

()

()

()

()

∴ -

() ∴

" ∴

∴ () "

∴ ()

∴ -

" ∴ () ∴

∴ ∴ " ∴ () "

∴ () "

∴ -

∴ ∴ ()

∴ -

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

:
:

()

:

()

-:

: ()

-

:

-

: -

:

()

()

()

() :

: ()

()

(-)

(-)

()

()

: -

: : ()

()

()
()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()
()

: -

: () ()

: -

- -

: -

}:

()"

" :

()

()

() {

()

()"

"

: ()

()

()

" :

()

: ()"

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() -

(): ()

: () -

(): () -

() { } : () () -

: () -

: () -

: () -

: () -

() ()

: - - -

: () ()

: () { }

() () ()

_____ ()

()

()

()

()

()

()

" :

.

:

:"

.()

() () ()

.() ()

+

.) ()

:" () +

() ()

()

.()

:

() () ()

.()

.() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

" : ()

:

:

:

:

: ()

-

-

:

-

:

:

.

:

:

!

.

:

:

:

:

:

.

.

:

:

. () !

:

-

- ()

. ()

:

:

()

() :

()

. () ()

- : ()

-

()

()

()

()

()

:

()

: -

}:

():

() {

"

()"

() {

}:

" :

()

:

() {

}:

():

() {

}:

:

: -

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

():

()

()

:

-

-()

()

:

.

:

()

()

()

()

:

()

()

:

.

()

()

()

}:

{

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

. { } { } : ()

- : () () : -
: ()

: () () :
: () ()

: -
: () () () ()

: () ()

.
.
.
.
.

:

()

()

.

():

() -

-

. :

()

: -

. :

():

()

. :

()

:

-

:

-

()

() ()

{

} :

:

" :

()

()

()

()

()

()

()



()"

: ()

"

()

()"

: -

()"

" :

()

{

}:

" :

()"

: -

()

{

}:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

. " " :
 : : ()
 . .
 . () " :
 : -
 " : ()
 . () () ...
 " :
 () : () " :
 : -
 ()
 ()
 () :

 . () ()
 . ()
 . ()
 . ()
 . ()
 . ()
 . ()
 . ()

() () ()
():

. () ()

:

()

-

: ()

. ()

():

. ()

:

:

-

()

-

()

. ()"

" :

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

():

-

:

()

():

()

:

:

():

:

()

-

()

()

()

()

()

()

:

-

. ()

:

-

:

-

:

()

:

()

:

-

():

. ()

. ()

()

. ()

()

() ()

" :

. ()" "

:

()

() -

. ()

() -

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

. ()

() -

.... " : ()

:

()

. ()"

()

()

()

:

-

()

()

()

()

. ()

():

:

:

-

():

():

. ()

()

()

()

()

()

()

()

()

. - - ()

" () :
" ()"

() : ()

() : . () ()

() ()
()" " :

.()
() :

()
()
()
()
()
()
()

: -

: -

}: () () -

{ }: {

():

() ()

:

:

(): .()

:

()

()

.()

: () -

():

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

. ()

()

()

- -

. ()

():

:

. ()

()

()

: ()

()

:

. ()

:

() {

}:

. ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

() ()

() ()

():

()

()

{

}:

}:

:

{

" : -

-

()"

" : -

-

()

()"

:

-

()

()

()

()

()

()

()

()

()

" :

()"

: - ()

() () :

. : ()

():

() ()

(): . () () ()

. () () ()

():

() :

():

()

()

()

()

()

()

()

() : . ()

. () ()

() :

. () ()

. : -

: -

. ()

: -

. : ()

()

() :

()

()

()

()

()

() : . :

. :

: -

. ()

() ()

() :

()

. ()

: () -

()

()

()

()

()

()

()

()

- -

. ()

()

()

:

()

:

. ()

()

() :

()

:

: ()

() :

.

()

()

() :

. ()

()

()

()

()

()

()

()

()

() ()
(): . () ()

(): . : ()

(): . ()

. ()

():

()

()

()

()
()
()
()
()

: -

()

()" " :

: ()

()

()

()

():

:

() ()

:

()

:

)

():

()

()

(

():

()

()

()

()

()

()

()

()

()

. () ()
 () ()
 . () :

"

" : ()

()
()

:

()"

...

" :

()"

"

()"

:

-

()

()

()

"

. ()"

()

()

()

":

...

. ()"

()

()

: "

:

. ()"

:

()

()

:

()

()

":

(.)

()

()

()

() () : () () ()
() () () ()

: " :

: ()

. ()

: () :

:

() : :

:

: .

. :

. () () { } :

: () ()

() () ()

: :

: : "

. ()" :

: () ()

: ()" "

()

()

()

()

" () ()
" : ()"

:

. -
. -

"

:

()" ... : ... ()

" :

...

:

.

:

:

.

:

:

:

.

:

:

.

:

:

...

...

()"

()

()

()

()

" : . ()"

()

. ()" :

" :

. ()"

: " :

: () :

:

. ()"

" :

. ()"

:

() { } :

() ()

-
- . ()
 - . ()
 - . ()
 - . ()
 - . ()
 - . ()

() " :

()

()"

.

.

()

:

"

:

() :

()

()

()

()"

{

}

:

"

()

()

()

()

()

()

()

} :

() () () {
 () () ()
 . () :

.... " :

:
 : : : : :
 . : . :
 : . :
 :

. () " : :

()
 - - " : () ()
 " :

() "

. ()

. () ()
 . ()
 ()
 ()
 ()

()

:

()"

:

.

-

.

-

"

:

:

:

()"

:

" :

:

()"

:

()

()

()

()

.
 .
 .
 .

- " :
 :
 : - :
 :
 . () "

..... " : - -
 . () " :
 : : " :
 :
 : ()
 . () " : :

:
 :
 -

 ()
 ()
 ()

()

. () () :

. () {

* } :

()

()

:

. ()

:

. ()

()

. () ()

()

()

()

()

()

()

- :

-

"

()"

" :

"

()"

()"

:

" :

()"

:

() :

()

()

()

()

()

()

()

(.)

... " :

. :

. -
. -
:

. () " :

" :

:

. :

: ...

. () " :

.

.

_____ ()

. ()

:

.

():

():

()

: : " : .

: . :

. .

. :

: . :

.

."

. :

.

: "

: :

():

: :

()

:

: : :

: () :

."

: ()

" : { }

: : ():

()

()

()

() { } : ()

() ()

:

()

. () "

()

} :

" : () {

. () "

} :

. () "

"

() {

:

}

:

()

. () {

. ()

()

()

()

()

. () ()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

" :

.....

:

.....

:

.....

.()"

:

:

" :

:

:

...

.()" ...

:

): " : ()

()

(

.()"

)

()

.(...

()

()

()

:

: ()

:

()

) ()

() ()

() ()

.(

" :

:

:

....

." ()"

:

"

" :

:

()

"

"

.()

()

()

()

:

()

.()

()

} :

" :

.() {

"

" :

()

()

:

:

()

:

()

: " : " :
 () " :
 " " :

()

. () : :
 ()

()

. ()

" :

. ()"

"

" :

:

()

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

()

:

()

. ()

()

()

. ()

. ()

"

. ()"

:

()

()

()

()

()

()

()

:

. ()"

:

() {

*

}:

()

()

()

"

()

()"

:

. ()

" :

- -

. ()"

:

....

"

" :

:

"

:

. ()"

:

-

()

()

()

()

()

()

()

()

. -
 : " :
 :
 :
 :
 ()
 : ()
 . ()"

:
 . -
 . -
 :
 + () +

() ()
 . () ()

-
 " : -
 _____ ()
 ()

: :
: . () " : ()

. -
. -

. () " "

.
: :
:

:
:

: ()
()

. ()

() ()

:

()
()
()

. ()

- -

:

" :

. ()"

:

()

:

. ()"

:

:

()

()

()

" : () () ()

.()"

: -

} :

" ()

() {

*

()

()

.
 : " - -
 ! : . - -
 . ()"

() ()
 . () ()

. : .
 : :
 . () :

. ()

()
 ()
 ()
 ()

:

()

()

.() ()

:

:

:

.()

:

()

()

()

()

.()

*

}: .

.() {

:

()

()

-

-

-

-

()

()

()

()

()

- ()

-

-

-

-

-

-

-

. ()

. ()

-

-

. () ()

. ()

" :

-

-

()"

.

.

.

} :

. () {

...

. ()

()

()

()

()

()

()

:

- - :
:
() ()

()
()

.

:

: :
" ()"

() . :
()

" : ()

: :
:
()

:
" ()"

- ()
- ()
- ()

() :

:

:

.

.

" :

:

:

} :

{

}

:

{

)

....

)

(

. ()"

" :

:

()"

:

"

:

...

:

:

()

()

()

()

. ()" :

: -

.

: -

(Pitch)

(Tones)

()

()

.

:

(Amigu)

()

Mi

- ()

()

()

()

. ()

“Intonationa

Languages”

(Tone language)

()

:

:

:

()

() ()

. ()

"

. ()" "

(pitch)

. ()

. ()

:

.

:

:

() "

()" "

{ }

()" "

" (!) " :

.

(.)

.

(.)

.

()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

. ()
 " : () { } :
 :
 " : { } : ()"
 : ()
 . ()"
 : " : { }
 . ()"
 :

" " " :
 ()
 () " "

() () { } :
 :

. (.) ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

!

()

():

.

()

:

"

() {

}:

()

. ()

:

-

" :

()

()

()

()

" . ()"

. ()"

()"

" :

()"

"

()"

:

. ()" ...

" :

()

()"

:

-

()

} :

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

-

:

}:

() {

()

()

()

()

() {

}:

()

()

()

() {

}:

()

()

":

()"

()

()

()

() {

}:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()"

()

()

()

()

:

-

:

:

-

{

}:

:

()

}:

()

()

()

() {

*

.

:

-

}:

()

() {

*

:

()

}:

()

()

() {

.()

:

-

.

}:

" :

() {

()

"

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

.
 : -
 }:
 : () { *
 () { * () }
 () ()

. ()

}:
 () () {
 () : . ()
 () () ()

()
 ()
 ()
 ()
 ()

.

- -

.

: -

" :

" :

. () "

:

_____ ()

()

":

()

-

-

:

":

:

()

()

" - -

()

()

()

()

()

() :

()

()

()

()

()

()

()

()

()

. ()

. ()"

" :

" :

. ()"

. ()

:

:

. () {

} :

()

()
 ()
 ()
 ()
 ()

. () { } :

()

()

. () {

} :

. ()

()

()

()

()

. ()

() :

() ()

. ()

()

()

() {

} :

: ()

:

: ()

() . ()

()

()

()

()

()

()

()

()

:
.()

} : ()
() () {
.()

() . :

:
()

() .

: :
:
:

} : ()

) () . () {
.(

()

()

()

()

()

-:

-

}:
() {

()

"

":

":

}:

)

(

)

{

()

()

(

() "

()

()

(.)

(.)

()

() () :
() {

} :

:

()

:

-

:

-

()

()

()

() "

"

- :

-

.

:

() :

()

()

() :

()

()

-

-

(.)

()

()

()

()

-

()

()

() :

. () ()

" :

) :

()

(

)

()

()

. () "

(

()

()

. () () :

:

.

.

.

.

()

()

()

()

()

. () () () ()
() : " :

() :

. ()
: () :

:

.

.

.

.

.

.

" "

() { } :

() : () ()
()

()

()

()

()

()

()

()

":

()"

":

:

....

()"

:

:

()

()

()

() ()

() ()

() ()

()

():

()

()

()

()

()

()

()

()

-:

-

"

"

()

()

: ()
:
.

"

()"

:

}

() {

*

() : ()

() ()

.	-	-		()
.	-	()	-	()
.	-	()	-	()
.	-	()	-	()

:
() { }

() :
() :

:
() " : ()

()
() { } :
:

() -

() { } :

- - : ()
()

()
()
()
()
()
()
()
()

()

()

()

}:

{

()

()

()

- ()

"

-

-

()"

() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

"

()"

"

":

"

-

-

()"

": -

-

"

-

-

() ()

()

()

() -

} : - -

:

()

() {

.

:

:

-

()

:

:

()

()

()

()

()

()

*

} :-

-

()

{

()

:

:

)

()

" :

"

"

" :

"

"

" :

()

:

-

:

-

() :

()

()

()

()

()

()

.

:

.

-

.

-

.

-

() ()

:

.

.

:

-

:

.

.

-

.

-

.

-

:

.

-

.

-

()

()

:

.

()

.

:

-

.

:

.

-

.

-

.

-

()

() {

}

"

"

()

()

()
- () ()

() : ()

()
()

-:

" : " : ()
()

()

:

-

-

()

()

()

()

() () ()
: . :
()

()

}:

*

{

}:

: () () {
():

: () : ()
() ()

()
() . :

: () ()
() () ()

() () .
()

.....

() ()
()
()

: -

() { } :
() ()

() :

() () ()
()
() () :

() { } :
: () ()
()

() - -

() () ()
() () ()
() () ()

:

()

. ()

: ()

()

:

()

()

:

:

.

: :

()

: ()

:

. ()

() :

. -
. -

()
()
()

. : ()
) ()
 () () ()
 : () : ()
 . () ()
 :
 } :
 . () {
 ()
 . ()
 . () () :
 . ()
 . () () () () ()
 () ! :
 .

•
•

•
•

•
•

:

" :

... : ... : : ...
: ... :
() : ... :
: :

" :

- -

()"

" :

()"

:

-

-

-

()"

"

()

()

()

()

-

" :

()

:

. ()"

.

-

:

.

.

:

()

()

()

" :

. ()"

()

()

()

.

.()

:

.()

()

:

(school)

:

()

()

.()

()

()

()

. ()

()

.

()

. ()

()

()

()

:

. ()

()

:

:

-

:

-

:

:

-

:

-

:

-

:

-

:

-

:

-

. ()

:

-

()

()

()

()

() ()

":

()"

()

()

:

:

()

:

-:

: -

()
()
()

.

- -

.

.

. ()

:

:

-

.

.

"

. ()" "

-

()

()

. ()

.

: -

"

. ()"

"

. ()"

()

()

"

:

: _____

.

()

. ()

()

()

: _____

. ()"

. ()

" :

:
. ()"

" :

. ()"

" :

. ()"

. ()

()

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

. ()

()

- -

- -

.

. []

_____ ()

۳۸.

:() -

)

.(

: -

()

()

.(

()

.(

()

:

()():

()

()

()

()

()

()

()

()

()

-

()

. ()

()

()

. ()"

" :

" :

. ()"

()

. ()

()

()

. ()

. ()"

"

.

. "

"

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

. ()

.
()

" :

. ()
:

....

. ()"

()

. ()

()

. ()

. () (

)

.

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()
()

()
()

()

:

:

-

()

()

()

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

. ()

. ()

. ()

. ()

"

. ()"

()

:

:

:

:

.

()

()

()

()

()

()

"

()"

:"

":

()"

:

":

()"

()"

":

()

()

()

()

()

()

()

" :

()" .

"

()" .

:

() .

() :

() :

() .

" :

()

()

()

()

()

()

()

()

: ()"

. ()

" :

()"

" :

"

()"

"

" :

()

. ()"

() ()

()

. ()

" :

()

()" ... :

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

:

:

()

()

()

()

"

()"

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

— . ()"

:

—

" ()

:

. ()"

"

()

" :

()

. ()"

:

" :

:

:

()

()

()

()

() ()

()

()"

.
.....

()

()

() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

":

"

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

. ()"

" : ()

()

.

. ()

()

.

.

()"

" :

)

. ()

(

.

" .

()

()

()

()

()

. ()"

:

-

()

()

. ()

. ()

()

()

()

()

()

)

(

()

()

. ()

()

()

. ()

)

()

)

(

()

(

()

()

()

()

()

()⁽¹⁾
()

()"

" :

()

. ()

()

) () ()

. () () ()

()

()

. ()

()

()

. ()

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

) ():

() (

()

() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

. () () () ()

()

()

: -

()

()

()

. ()

. ()

() ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

. ()

()
- -

. ()

()
()
()

()

. ()

()

. ()

()

()

()
()
()
()
()
()

" :

. ()"

" :

. ()"

)

(

()

()

)

()

()

(

()

()

()

"

()"

"

()"

.

"

)

()
()

:

.

(

.)"

:

: -

.

: -

.

:

:

-

=:

-

:

:()

-

:()

}:

:

"

.)"

{

());

()

()

()

()

:

.

:

.

:

.

:

.

:

()

()

- - " :
:

()"

" :
"

" ()

()"

:

() { } :

:

"

:

():

()" :

()

()

()

()

()

()

: () () -
"

:
(): . : () { }

. ()"

()

. () : () -
: " : ()

:
() ()

:

_____ ()
: . ()
()
()
()

١٠٠

١٠٠ () ()

-

"

١٠٠ ()

"

١٠٠ ()

"

() ()

١٠٠ ()

١٠٠ ()

١٠٠ ()

١٠٠ _____ -

:

١٠٠ ()

-

()

()

()

()

()

()

:

. ()

()

:

()

()

. ()"

"

-

()

()

:

:

:

:

:

:

" :

. ()"

()

()

()

()

()

.

.

.

.

.

-

:

.

:

.

.

) : :

: (

: ()

():

:

: () () -

: () -

:

:

() -

() () -

.()

()

: () -

() ()

.()

:

{

}:

()

()

()

()

()

()

()

()

() () ()

()

:

-

:

:

:

()

:

}:

-

:()

{ ()

()

:

:

()

:

"

-

:

:

:

()"

()

()

-
()

()

()

()

. () ()
 : () : -
 : : : ()
 : : : ()
 : : :
 : : -
 : -
 () { } : ()
 . () ()
 } : () { } :
 . () {
 () () ()
 - ()
 - ()
 ()
 ()
 ()
 ()
 ()

()

()

_____ -

":

:

." :

():

{

}:

());

{ }:

.()

:

:

-

_____ -

()

()

()

()

()

()

:

:

() :

:() _____ -

():

): ()

()

: () {

()

: _____ -

()

:

.

:

:

.

:

:

()

.

_____ ()

()

()

...

:

()

()

()

()

-

:

:

.

.

:

-

:() ()

-

}:

. ()

" ()

. () {

. ()"

:

-

:

. ()

:() { }:

-

. {

}:

():

()

()

()

()

()

: ()

():

: ()

: () -

() ()

: -

) : () : () : () : ()

() () :

: () () -

:

:

:

: ()

()

()

()

()

. ()
()

: _____ () -
()

:

()

: _____ -

. () () : ()
()

: _____ -

()

() : { _____ } : () -

() ()

() :

() : : .

()
()
()
()
()

:

()

():

.^(١)():

()

:

-

()"

()

" : - - . ()"

" :

:

- - :

:

:

{ }

:

- -

. ()"

- -

}:

{

. ()

: { } : - -

-
- ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()
 - ()

() { } : { }

: () { } :

-
()

. () ()

. ()

() :

:

:

" ()

. ()"

: () :

. ()

{ } :

:

()

()

()

. ()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()
() () -

: { }:
: " -

() () () -
() () ()
() () ()

() : -

()

" :
() ()

() :

() ()

()
()
()

: " " ()

" :

: : :
:

():

.()"

() : () -
()

.
() -
.()

.() { } :
() () ()

:

: .
.()

: .

 ()

. - ()
.()
.()
- ()
.()

: -

: -

"

"

. ()"

" :

. ()"

. ()"

:

() :

. (){ } :

()

() { * } :

. (){ } :

" :

: ()"

" :

. ()

. ()"

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

-

-

-

-

()

()

-

()

()

()

.

.

:

:

:

.

.

.

() :

-

-

.

" :

()"

:

)

(

()

:

()

)

(

— — :

:

:

:

:

()

()

.....

:

() ----- -
 () ----- -
 . () () ----- -
 . () () ----- -
) () () ----- -
 . () () ----- -
 () ----- -
 () ----- -
) () ----- -
 . () () ----- -
 . () () ----- -
 () ----- -
 () ----- -
 . () () ----- -
 . () () ----- -
 () ----- -
 () ----- -
 . () () ----- -
 . () () ----- -
 () ----- -

()	-----	-
.	(-
.	(-----	-
.	(-
)	-----	-
()		-
.	(-
		()
	(-
	.	()
	(-
)	.	()
)	.	()
.	(-
.	(-----	-
+)	()
		+	(
.	(-
)	.	()
	.	()
	(-
)	.	()
.	.	()
.	(-
.	(-

()

:

:

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

ARABIC SYNTAX THEORY IN THE LIGHT OF MULTIPLICITY OF ASPECTS IN SYNTACTIC ANALYSIS

By
Waleed Hussein Mohammed Abdulla.

Supervisor
Dr. Nasser- Aldin Alasad, Prof.

ABSTRACT

This study attempts to establish a fully detailed, comprehensive notion for Arabic syntax theory in the light of multiplicity of aspects in syntactic analysis.

Search on the subject has been formulated on the basis of four dimensions:

The first dimension represents essential, primary introductions , in which multiplicity of aspects in syntactic analysis is discussed as a conception . Different realization of this phenomenon in sentences and phrases are also shown. Leading finally to show the standards and fundamentals which formed the syntactic aspects.

The second dimension is concerned with the sources from which this phenomenon has been derived. These sources are the holy quran and its' readings, literary narration, Arab dialects, ideological opinions and debates.

On one hand, the third dimension tackles the multiplicity of aspects in syntactic analysis in the structural system of Arabic. it also studies the notion of multiplicity in parts of speech ,then in sentences and phrases . in

the other hand it tackles the effects of meaning on the multiplicity of aspects in syntactic analysis opposed to multiplicity which results from the special characteristics of the structural system.

The fourth dimension is concerned with the multiplicity of aspects in syntactic analysis in the light of grammatical schools, as it trying to prove the presence of grammatical schools in our syntax heritage . then study the multiplicity within each individual school .

Finally. The research examines the reasons which has led to the the multiplicity of aspects in syntactic analysis in grammatical issues, and the factors which has motivated the grammarians toward the interpretation.